दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट-1)

drishti

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: GAGAN SINGH MEENA
Mobile Number: [redacted]
Medium (English/Hindi): HINDI
Email: gagan.smeena.civ13@itbhu.ac.in
Center & Date: MN/ 07/11/2021
UPSC Roll No. *(2021)*: 0864653

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	4	11.	7
2.	4.5	12.	6
3.	5	13.	5
4.	4	14.	8
5.	4.5	15.	7.5
6.	5	16.	7.5
7.	3	17.	5
8.	4.5	18.	7
9.	5	19.	6
10.	5	20.	6.5
Grand Total (सकल योग)	110/250		

E-872
मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

1. संदर्भ दक्षता अच्छी है
2. परिचय दक्षता को बेहतर बनाए
3. विषय-वस्तु दक्षता अच्छी है
4. भाषा को बेहतर बनाएँ
5. निष्कर्ष दक्षता अच्छी है
6. प्रस्तुति दक्षता अच्छी है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. मन्दिर वास्तुकला के विकास में चोल वास्तुकला का उच्च स्थान है। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola architecture represents a high watermark in the evolution of temple architecture. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

चोलो की भूमिका
-उनका उपयोग, रचनाओं का उल्लेख।

दक्षिण भारत मे 7-8वी सदी मे पल्लवों के बाद चोलो द्वारा द्रविड मंदिर वास्तुकला को उत्कर्ष प्रदान किया जिससे वास्तुकला मे चरमोत्कर्ष का स्थान प्राप्त किया।

चोलो का योगदान:

① नटराज मूर्तिकला चरमोत्कर्ष पर:
  ↳ धातु की शिव नटराज मूर्ति अपने अद्वितीय स्थान प्राप्त किया।

② मंदिरो मे उत्कीर्णन, मीनार, -चारदीवारी तथा मंडपो का उपयोग।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदा० राजराज प्रथम द्वारा राजेश्वर मंदिर की स्थापना।

(3) यक्ष-यक्षिणियों का मंदिर के बाहर उपयोग, पत्थरों को तराश कर बनाये गये मंदिरों का निर्माण।

उदा० गंगईकोंडचोलपुरम के मंदिरों की वास्तुकला।

(4) विश्व के अन्य भागों में द्रविड वास्तुकला का प्रचार।

उदा० श्रीलंका, कंबोडिया तथा इंडोनेशिया में राजराज द्वारा मंदिर निर्माण।

(5) मंदिरों की पंचायतन शैली के साथ मूर्तिकला, चित्रकला तथा भवनों का निर्माण किया।

चोलों के शासन व्यवस्था के साथ स्थानीय शासन अपने चरमोत्कर्ष पर था।

* पल्लव एवं चोल वास्तुकला में अंतर के बिंदुओं को लिखें।

* चोल वास्तुकला की विशेषता के अन्य बिंदुओं को भी शामिल करें।

4/...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. आयु, लिंग तथा धर्म के बंधनों से मुक्त होकर, भारतीय महिलाएँ भारत के स्वाधीनता संग्राम में अग्रणी बनी रहीं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Defying the barriesrs of age, gender and religion, the Indian women became the torchbearer during the struggle for freedom in India. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

विभिन्न क्षेत्रों पर उनका योगदान → उदा० सहित
- विभिन्न आंदोलन में भागीदारी →
- गांधीजी के साथ सहयोग।

गांधीजी के नेतृत्व में समाज के विभिन्न वर्गों ने आंदोलन को समर्थन किया जिसमें घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर महिलाओं ने सक्रिय योगदान स्वाधीनता संग्राम में प्रदान किया।

महिलाओं का सहयोग

विभिन्न आयु-वर्ग → युवा, बालक, स्कूली छात्रों के साथ कार्यशील महिलाओं का योगदान।

उदा० मणिपुर की गाइदिन्ल्यु 13 वर्ष की उम्र में सविनय अवज्ञा आंदोलन में जेल गयी।

→ भीकाजी रुस्तम कामा ने कुशल होकर पेरिस में भारतीय तिरंगा को फहराया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

— प्रतिभा वाडेकर तथा सुनीति घोष द्वारा छात्र जीवन में शहीद होगयी।

विभिन्न धर्मों → हिन्दु - मुस्लिम - ईसाई - सिख महिलाएं आंदोलन में शामिल थी।

उदा० रमा देवी, सरोजनी नायडू जहाँ हिन्दु थी तो बेगम हजरत महल मुस्लिम थी।

↳ आयरिश मार्गरेट कज़न तथा एनीबेसेंट का सहयोग होमरूल लीग में महत्वपूर्ण है।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान:

↳ सुचेता कृपलानी, उषा मेहता द्वारा गुप्त रेडियो स्टेशन की स्थापना।

महिलाओं का योगदान स्वदेशी आंदोलन, असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह तथा भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण था।

* विषय-वस्तु की अच्छी जानकारी है।
* प्रस्तुतीकरण भी ठीक है।
* लिंग वाले बिंदु को भी एक वाक्य में शामिल कर सकते थे इसे, तत्कालीन आदिवासी समाज से भी जोड़ सकते थे।

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. प्रादेशिकता की बढ़ती हुई भावना, पृथक् राज्य की मांग का प्रमुख कारण है। विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

Growing feeling of regionalism is an important factor in generation of demand for a separate State. Discuss.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

प्रादेशिकता क्या?
→ पृथक राज्य की मांग बढ़ती है।
— मानचित्र का उपयोग।

प्रादेशिकता का एक राजनीतिक विचारधारा है जो देश, राज्य की तुलना में स्थानीय मुद्दों तथा क्षेत्रों को अधिक प्राथमिकता देती है तथा उनके प्रति निष्ठा को व्यक्त करती है।

fig: पृथक राज्यों की मांग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* विषय-वस्तु की जानकारी एवं समझ है।

* प्रस्तुतीकरण भी ठीक है।

5/10

क्षेत्रीयता द्वारा पृथक राज्य की मांग

- स्थानीय तथा क्षेत्रीय मुद्दों को उत्तेजित करती है।
  उदा० तेलंगाना का गठन।

- स्वपहचान, संस्कृति संरक्षण, असमानता के विचार को प्रोत्साहित करती है।
  उदा० गोरखालैंड की मांग इन्हीं आधारों पर।

- यह रोजगार भागीदारी, गवर्नेंस तथा संसाधनों का संरक्षण की भावना को बढ़ाती है।
  उदा० झारखंड तथा छत्तीसगढ़ का गठन।

- पैंडोरा बॉक्स की मांग ⇒ जनसांख्यिकीय बदलाव, नृजातीय पहचान तथा शरणार्थी समस्या। उदा० NE में राज्यों की मांग

क्षेत्रीयता के अलावा राजनीतिक महत्वाकांक्षा, अपर्याप्त गवर्नेंस तथा निम्नस्तरीय विकास पृथक राज्य की मांग को बढ़ाता है। इन्हें "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की अवधारणा से हल कर दिया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. पश्चिमी घाट की तुलना में हिमालय में भूस्खलन की घटनाओं के प्रायः होते रहने के कारण बताइये। (150 शब्द) 10

Give reasons for more frequent landslides in Himalayas in compansion to the western Ghats. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

- भू-स्खलन?
- क्यों होता है, तुलना करें, मानचित्र का उपयोग

भू-स्खलन में धरातल का गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से बाहर तथा आगे की ओर बढ़ना सम्मिलित है। भारत का 12% क्षेत्र भू-स्खलन से प्रभावित है।

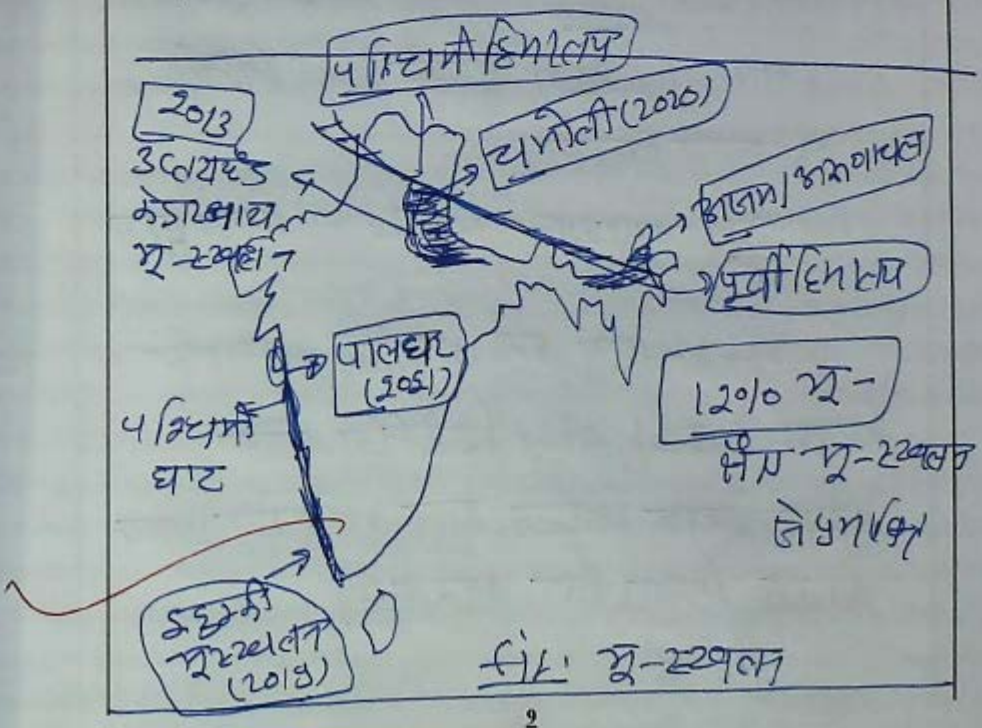

चित्र: भू-स्खलन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

* भू-स्खलन के अन्य कारणों को भी बताएं।
* अंत में कुछ सुझाव भी दें जो व्यावहारिक हो।

हिमालय में अधिक भू-स्खलन के कारण

① भौगोलिक कारक: हिमालय अधिक नवीन है, वलित पर्वत है, निरंतर ऊंचाई बढ़ने के कारण अधिक सक्रिय है।
↳ भारी बारिश, बादलों का फटना, GLOF (ग्लेशियर लेकों (झीलों) की उपस्थिति के कारण।

② विनाशात्मक कारक: मानवीय क्रिया, ड्रेनेज व्यवस्था, सुरंगों का निर्माण, अनियंत्रित विकास।
उदा० चारधाम कॉरिडोर, जो जिवा सुरंग

भू-स्खलन एक प्राकृतिक घटना है जिसका GFDS GPS, रिटेनिंग वॉल, बेहतर ड्रेनेज सिस्टम द्वारा मानवीय प्रभाव को कम किया जा सकता है।

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत – श्री लंका संबंधों के संदर्भ में, विवेचना कीजिये कि किस प्रकार आंतरिक (देशीय) कारक विदेश नीति को प्रभावित करते हैं। (150 शब्द) 10

In respect of India – Sri Lanka relations, discuss how domestic factors influence foreign policy. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

- टेबल/डायग्राम, मानचित्र का उपयोग
- उदाहरणों का उपयोग।

श्रीलंका दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण सहयोगी जिसके साथ राजनीतिक, सजातीय, पीपुल टू-पीपुल सहयोग तथा विभिन्न क्षेत्रीय मंचों (सार्क, BIMSTEC) के साथ सहयोग होता है।

आंतरिक कारक तथा विदेश नीति

① तमिलों का मुद्दा:

भारत द्वारा UN, UNHRC (मानवाधिकार) आयोग में तमिल मानवाधिकार मुद्दों पर मतदान के दौरान अनुपस्थिति।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

* थोड़ा श्रीलंकाई गृहयुद्ध की चर्चा कर दें। उसमें तमिलों के दमन की बता दें।
* मछुआरों की समस्या का भी उल्लेख करें।

4.5/10

② कूटनीतिक तथा राजनयिक संबंध:
↳ तमिलनाडु सरकार के विरोध के बाद PM मनमोहन द्वारा श्रीलंका का दौरा निरस्त करना।

③ पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या: श्रीलंका तमिलों के लिए मुद्दों के हल करते हो लेकर।

④ न्यू श्रीलंका संविधान का गठन तथा तमिल संदर्भों मुद्दों के कारण
चीन के साथ श्रीलंका की नजदीकी।
उदा० हंबनटोटा।

⑤ विभाजनकारी गतिविधियां प्रभावित: उदा० जाफना में मंदिरों का निर्माण

भारत को श्रीलंका के साथ नेबरहुड फर्स्ट तथा सार्क व बिम्सटेक जैसे बहुपक्षीय मंचों का उपयोग करना चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. अंतर-राज्य जल विवादों का समाधान करने में सांविधानिक प्रक्रियाएँ समस्याओं को सम्बोधित करने व हल करने में असफल रहीं। क्या यह असफलता संरचनात्मक अथवा प्रक्रियात्मक अपर्याप्तता अथवा दोनों के कारण हुई है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Constitutional mechanisms to resolve the inter-state water disputes have failed to address and solve the problems. Is the failure due to structural or process inadequacy or both? Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

ISWD → Art. 262
→ भारत का उल्लेख, चुनौतियाँ
– आगे की राह।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 262 राज्यों के बीच नदी विवादों से संबंधित है। इसके लिए संसद द्वारा अंतरराज्यीय नदी विवाद अधिनियम-1956 पारित किया।

संवैधानिक प्रक्रियाएँ नदी जल विवादों को हल करने के लिए एक प्रक्रिया का निर्धारण करती है। जिसकी प्रभाविता उसके लागू होने पर निर्भर करती है। यह संवैधानिक प्रक्रिया की तुलना में संरचनात्मक तथा प्रक्रियात्मक सामर्थ्य अधिक है।

उदा० कावेरी विवाद को निर्णय देने के बाद लागू नहीं हो पाया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

* संविधान में उल्लेखित 'जल विषय' पर केंद्र की स्थिति को भूमिका में बताएं।

* राजनीतिक कारण बताते हुए कुछ राज्यों का भी उदाहरण दें।

- सांविधिक अधिकरणों के आदेशों की अवहेलना। उदा० कृष्णा तथा कावेरी विवाद।
- विवाद हल करने की निश्चित समय-सीमा का अभाव।
  उदा० महादायी विवाद अनेक वर्षों से लंबित।
- कानूनों की बाध्यता के बावजूद उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 136 (विशेष अपील) से सुनवाई।
- राजनीतिक रूप से प्रेरित विवाद: जब जल में राजनीति का प्रवेश हो जाये तो विवाद हल असंभव होता है [SC टिप्पणी]

भारत सरकार द्वारा अंतर्राज्जीय नदी विवाद अधि० 2019 को पारित करना चाहिए तथा विवादों को आपसी सहयोग, नीति आयोग, अंतर्राज्यीय परिषद द्वारा हल किया जाना चाहिए।

5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. अनेक विदेशियों ने भारत में बसकर, विभिन्न आन्दोलनों में भाग लिया। भारतीय स्वाधीनता संग्राम में उनकी भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Several foreigners made India their homeland and participated in various movements. Analyze their role in the Indian struggle for freedom. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

विभिन्न विदेशियों का योगदान नामों सहित तथ्य उल्लेख।

गांधीजी के नेतृत्व में भारत का स्वाधीनता अभियान अधिक समावेशी, सहभागी तथा विविध था जिसमें विभिन्न देशों के नागरिक शामिल थे।

विदेशियों का योगदान :

① कांग्रेस के गठन में भूमिका: जॉर्ज यूल द्वारा कांग्रेस संगठन तथा बाद में Pवडीन द्वारा कांग्रेस की अध्यक्षता।

② होमरूल लीग: एनी बेसेंट द्वारा स्थापना तथा AIO की स्थापना,
थियोसोफिकल सोसायटी द्वारा राजनीतिक जागरूकता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

③ मार्गरेट कजन: महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी, आर्थिक स्वतंत्रता तथा सामाजिक सुधार आंदोलन को प्रोत्साहन करना।

④

* कुछ और उदा० बता सकते थे। जैसे विस्तर निवेदिता का रामकृष्ण मिशन से जुड़ाव।
* उत्तर को अंत किया कीजिए अर्थात् निष्कर्ष लिखिए। open ended मत बताइए।

3/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. आचार्य विनोबा भावे के भूदान व ग्रामदान आन्दोलनों के उद्देश्यों की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये और उनकी सफलता का आकलन कीजिये। (150 शब्द) 10

Critically discuss the objectives of Bhoodan and Gramdan Movements initiated by Acharya Vinoba Bhave and their success. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

आचार्य विनोबा भावे गांधीजी के सर्वोदय के विचार से प्रभावित थे। उन्होंने गरीबों के बीच भूमि का समानवितरण के लिए भू-दान तथा ग्रामदान आंदोलन को प्रारंभ किया।

भूदान / ग्रामदान की सफलता

- गरीबों के बीच भूमि की समानता
- गांधी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत को लागू करना
- बड़े भूमिपति तथा जमींदारों द्वारा ग्रामदान करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चुनौतियाँ → सफलता केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित रही।
उदा० दक्षिण भारत / पूर्वी भारत
→ यह प्रक्रिया केवल ऐच्छिक था कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी
→ भू-स्वामियों द्वारा प्रारंभ में दान किया लेकिन बाद में भूमि को हड़प लिया गया था।

4.5/10

भू-सुधार के लिए विनोबा भावे के अलावा लैंड सीलिंग, जमींदारी-व्यवस्था का उन्मूलन किया गया।

* थोड़ा भू-दान और ग्रामदान आंदोलन की भूमिका में विस्तार से बताए जैसे-कब शुरू हुआ, कहाँ से शुरू हुआ आदि।

* चुनौतियों के अंतर्गत अन्य बिंदु को भी शामिल कर सकते हैं जैसे- [illegible] दान मिली भूमि बंजर थी मुकदमे वाली भूमि भी आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत में तीव्र शहरीकरण प्रक्रिया ने जिन विभिन्न सामाजिक समस्याओं को जन्म दिया, उनकी विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the various social problems which originated out of the speedy process of urbanization in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

- शहरीकरण %
- समस्याएं
- सामाजिक प्रभाव → बेहतर निष्कर्ष।

भारत की 31% जनसंख्या शहरों में निवास करती है जिसके 2050 तक 50% होने की संभावना है [@ ES-2018-19]

तीव्र शहरीकरण ने नाना सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, व्यवस्थात्मक समस्याएं उत्पन्न हुई है।

विभिन्न सामाजिक समस्याएँ

① अलगाव में वृद्धि: प्रतिस्पर्धा की तीव्र होड़, समरसता की कमी, पड़ोस के साथ चर्चा के अभाव से → अलगाव ↑

↓

मानवीय पूंजी में कमी ← मानसिक असंतुलन व्यापक

तकनीकी अन्य प्रयोग करें - आवश्यक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5/10

② पारिवारिक संरचना प्रभावित: संयुक्त परिवार एकल परिवार से परिवर्तित, लिव इन रिलेशनशिप को बढ़ावा। → मूल्यों का ह्रास
↳ नैतिकता में कमी

* अन्य सामाजिक समस्याओं का भी उल्लेख कर सकते हैं। जैसे- शिक्षा एवं स्वास्थ्य की पर्याप्त सुविधा नहीं।

③ स्वास्थ्य / स्वच्छता प्रभावित:
↳ 17% स्लम एरिया, विश्व के 21 प्रदूषित शहरों में 14 भारत के हैं।

* शहरों पर थोड़ा पर्यावरणीय कुछ अधिक प्रभाव को भी बताएं।

④ महिलाओं की वस्तुकरण, कार्यस्थल पर उत्पीड़न तथा निम्न वेतन की समस्याएं। उदा० विज्ञापन, सोशल मीडिया ट्रोलिंग।

भारत सरकार द्वारा बेहतर शहरीकरण के लिए स्मार्ट सिटी, अमृत, PM आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान तथा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

नीति आयोग की 3C अवधारणा प्लान, मैनेजमेंट तथा क्वालिटी बेहतर शहरीकरण के लिए आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. 'महाद्वीपीय विस्थापन' के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? इसके पक्ष में प्रमुख साक्ष्यों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understant by the theory of 'continental drift'? Discuss the prominent evidences in its support. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

- यह क्या है
- मानचित्र का उपयोग
- साक्ष्यों का उल्लेख।

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत के अनुसार संपूर्ण पृथ्वी पैंजिया तथा महासागर पैंथालासा का भाग थे जो बाद में गोंडवानालैंड तथा यूरेशिया में विभाजित हो गये।

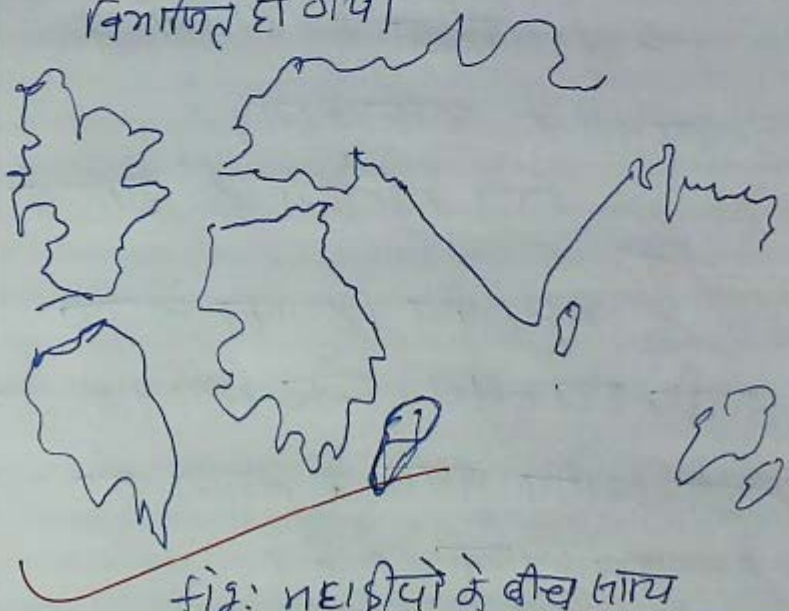

fig: महाद्वीपों के बीच साम्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साक्ष्य

1. महाद्वीपों की मानचित्र स्थिति में समानता
जैसा की उपर्युक्त मानचित्र में प्रदर्शित है।

2. हिमानी निक्षेपों में समानता:
↳ ये हिमानी निक्षेप है।

3. चट्टानों की आयु में समानता।
↳ रेडियो एक्टिव कार्बन निर्धारण प्रौद्योगिकी का उपयोग।

4. जीवाश्म अवशेषों की उपस्थिति
↳ लेमूरिया की उपस्थिति।

5. खनिजों की उपलब्धता।
स्रोतों के निक्षेपों की उपस्थिति

महाद्वीपीय विस्थापन के साथ जागरीय उद्भ स्थल, प्लेट विवर्तनिकी साथ सम्पूर्ण स्थलीय भागों के निर्माण की महत्वपूर्ण व्याख्या की है।

5/10

* साक्ष्य के अन्य बिंदुओं को भी शामिल कर सकते थे।
* मानचित्र को नाम के साथ उल्लेखित कीजिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. उन परिस्थितियों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये जिनके कारण भारत को बांग्लादेश के उदय में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करना पड़ा। (250 शब्द) 15

Critically examine the compulsions which prompted India to play a decisive role in the emergence of Bangladesh. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

→ 1971 के युद्ध
→ बांग्लादेश मुक्ति मोर्चा, शरणार्थी संकट
– भारत की रणनीति

1971 में बांग्लादेश मुक्ति मोर्चा के साथ प्रभावित आंदोलन तथा भारत सरकार के अप्रत्यक्ष सहयोग के कारण पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश का जन्म हुआ।

बांग्लादेश के उदय में निर्णायक भूमिका:

(i) भारत के भू-राजनीतिक तथा भू-रणनीतिक मुद्दा:

fig: भारत-बांग्लादेश

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

- राष्ट्रीय सुरक्षा: पूर्वी तथा पश्चिमी मोर्चों पर पाकिस्तान की उपस्थिति।
- शरणार्थी संकट: पश्चिमी पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों से भारत में शरणार्थी समस्या → संसाधनों पर दबाव
  ↓
  जनांकिकीय परिवर्तन
- कानून-व्यवस्था का मुद्दा:
  - उत्तर-पूर्वी तथा पूर्वी भाग में बढ़ती उग्रवादी, अलगाववादी गतिविधियों के कारण।
- बांग्लादेश मुक्ति मोर्चा द्वारा भारत सरकार से हस्तक्षेप की ~~संभवा~~ माँग।
- राजनीतिक दबाव: भारत-पाकिस्तान तथा भारत-चीन के युद्ध के बाद जनमानस पर दबाव के कारण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vison Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बांग्लादेश का निर्माण भारत के पक्ष में

- बांग्लादेश के साथ शांति व मित्रता की संधि (1971)
- जनसांख्यिकीय स्थिति में बदलाव पर लगाम तथा शरणार्थी संकट का समाधान।

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने भारत- बांग्लादेश के संबंधों को "सोनाली अध्याय" के बारे में व्याख्या दोनों देशों के संबंधों को बढ़ायेगा।

* भारतीय अधिक के अन्य कारणों को बता सकते हैं
जैसे — पाकिस्तान द्वारा आक्रमण भारतीय वायु सेना अड्डे पर)

* युद्ध घटनाक्रम को भी जोड़िए
जैसे — गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि पाकिस्तान में हुआ चुनाव था

7/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

12. जीवाश्मी इंधन की बढ़ती हुई कमी के कारण भारत में परमाणु ऊर्जा का महत्त्व अधिकाधिक बढ़ रहा है। परमाणु ऊर्जा बनाने के लिये आवश्यक कच्चे माल की भारत व विश्व में उपलब्धता की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

With growing scarcity of fossil fuels, the atomic energy is gaining more and more significance in India. Discuss the availability of raw material required for the generation of atomic energy in India and in the world. (250 words) 15

हल करने का दृष्टिकोण:

- जीवाश्मी ईंधन v/s परमाणु ईंधन
- विश्व / भारत के मानचित्र द्वारा प्रदर्शन
- एक समग्र निष्कर्ष :

भारत के ऊर्जा परिदृश्य में जीवाश्मी ईंधन की हिस्सेदारी 60% से अधिक तथा परमाणु ईंधन की हिस्सेदारी 2% से बराबर है।

परमाणु ईंधन का महत्त्व

- जीवाश्मी ईंधन की अनुपलब्धता :
  - भारत 80% पेट्रोलियम के लिये आयात पर अत्यधिक निर्भर है।
- ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना :
  - परमाणु ऊर्जा से ऊर्जा परिदृश्य में विविधता तथा आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर उपयोग।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- पर्यावरण संरक्षण तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता।

  Eg. PM द्वारा COP26 (ग्लासगो) में ऊर्जा के संदर्भ में "पंचामृत प्रस्ताव"

- अंतर्राष्ट्रीय संबंध तथा रणनीति:

  Eg. भारत-रूस द्वारा इन्द्रधनुष तथा फ्रांस के साथ सैन्याभ्यास

- भारत की सॉफ्ट-पावर तथा उत्तरदायी भूमिका का निर्वहन।

  Eg. भारत-USA परमाणु डील

fig: परमाणु ऊर्जा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

fig: भारत-परमाणु ऊर्जा

भारत की परमाणु ऊर्जा - तीन स्तरीय प्रणाली पर आधारित है जिसमें PHWR, FBR तथा Th-U चक्र पर निर्भर है।

भारत के लिए NSG की सदस्यता की मांग तथा विभिन्न देशों के साथ परमाणु डील इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

6/15

* कच्चे माल की उपलब्धता को ठीक से बताना जैसे- विश्व में कौन प्रथम स्थान रखता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

* भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण में थोरियम का प्रयोग होना है जिसका सर्वाधिक भंडार भारत के पास है

drishti | दृष्टि The Vision

13. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66A की, इससे कथित संविधान के अनुच्छेद 19 के उल्लंघन के संदर्भ में विवेचना कीजिये। (2)

(250 शब्द) 15

Discuss section 66A of IT Act, with reference to its alleged violation of Article 19 of the constitution.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

SC के वाद का उल्लेख (श्रेया सिंघल)
↳ वर्तमान में 66A के उपयोग होना (SC का आदेश)
↳ Art 19 के पक्ष-विपक्ष के प्रमुख पहलू।

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा श्रेया सिंघल वाद में IT 66A को अनुच्छेद 19 के उल्लंघन मानते हुए असंवैधानिक घोषित किया था।

हालांकि हाल ही में SC द्वारा 66A के अंतर्गत पुलिस द्वारा दर्ज किये मामलों पर अपनी आपत्ति व्यक्त की है।

IT 66A द्वारा Art-19 का उल्लंघन:

- आनुपातिकता के सिद्धांत का उल्लंघन:
  ↳ राज्य द्वारा अधिकारों पर प्रतिबंध तथा उनके हितों के बीच असंतुलन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- राष्ट्रीय सुरक्षा की अधिक व्यापकता के कारण स्वतंत्र व निष्पक्ष आलोचना रोकना रहा है। [अनुच्छेद 19]
- संविधानवाद की अवधारणा के विरुद्ध
  - सरकार का न्यूनतम हस्तक्षेप।
- सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध, की अपेक्षा उच्चतम न्यायालय के मूल-ढांचे के विरुद्ध है।
- पुलिस तथा अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा IT 66A का दुरुपयोग करना।

कुछ स्थितियों में 66A की उपयोगिता की विवेचना:

- राष्ट्रीय सुरक्षा, विभिन्न देशों के साथ संबंध तथा कानून-व्यवस्था को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

युक्तियुक्त प्रतिबंधों के अधीन होना चाहिए। [SC द्वारा मेनका गांधी वाद]

* राज्य के हितों तथा व्यक्ति के हितों के बीच सकारात्मक संतुलन होना चाहिए। [SC द्वारा रामलीला वाद बनाम गृह सचिव में व्याख्या]

उच्चतम न्यायालय द्वारा 66A को समाप्त करना तथा कुछ मामलों में इसका उपयोग न्यायिक अवमानना योग्य है। इसलिए पुलिस बलों का प्रशिक्षण, आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के द्वारा अधिकारों का संरक्षण किया जाना चाहिए।

5/15

* प्रारंभ में 66(A) का परिचय दें।
* तत्पश्चात् अनु-19 (A) को यह कैसे सीमित करता है, यह बताए
* जैसे — इसमें वर्णित आधार परिस्थितिजन्य हैं, ऐसे में इसके दुरुपयोग की संभावना अधिक है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. 'संविधान में संशोधन करने के संसद के स्वैच्छिक अधिकार पर भारत का उच्चतम न्यायालय नियंत्रण रखता है।' समालोचनात्मक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

'The Supreme Court of India keeps a check on arbitrary power of the Parliament in amending the Constitution.' Discuss critically. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

→ नियंत्रण व संतुलन का सिद्धांत
→ Art 368
→ SC के विभिन्न निर्णयों की व्याख्या।

भारत का संविधान विभिन्न अंगों के बीच नियंत्रण व संतुलन के सिद्धांत पर आधारित है जिसमें सर्वोच्च शक्ति जनता के पास है।

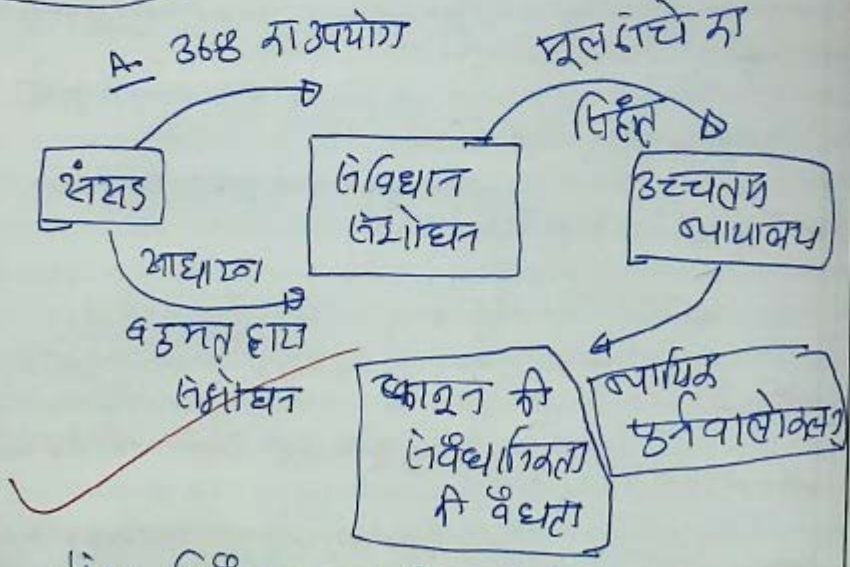

fig: नियंत्रण तथा संतुलन सिद्धांत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

संविधान में संसद द्वारा संशोधन तथा उच्चतम न्यायालय

---

① संसद द्वारा अनुच्छेद 368 (भाग-20) के अंतर्गत संविधान का संशोधन।
↳ SC द्वारा मूल ढांचे के सिद्धांत (केशवानंद भारती) के आधार पर संवैधानिकता जांच

उदा० संवैधानिक संशोधन 42th, 43rd, 24th 25th की संवैधानिकता की जांच।

② उच्चतम न्यायालय का न्यायिक समीक्षा का सिद्धांत।

उदा० मिनर्वा मिल्स (मूल अधिकार), इंदिरा साहनी (संघवाद), पुट्टास्वामी द्वारा न्यायिक समीक्षा।

③ मूल अधिकारों के उल्लंघन तथा संसद द्वारा शक्तियों के दुरुपयोग के दौरान SC का नियंत्रण।

उदा० आपातकाल के दौरान तथा बाद में SC द्वारा न्यायिक नियंत्रण करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ भारत के संघवाद ढांचे को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर
उदा० [97th] (सहकारी समिति) के कुछ प्रावधानों पर रोक।

⑤ न्यायिक स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले।
उदा० [99th] (NJAC) संशोधन।

हालांकि भारत का संविधान संतुलन व नियंत्रण के सिद्धांत पर आधारित है। जिसमें उच्चतम द्वारा नियंत्रण का उपयोग तथा न्यायिक समीक्षा संसद की विधि बनाने की शक्ति को प्रोत्साहित करती करती है।

संविधान की सर्वोच्चता के लिए सरकार के तीनों अंगों के बीच संवैधानिक मूल्यों की प्रतिबद्धता को बनाये रखना आवश्यक है।

* बेहतर प्रयास है
* भाषा शैली में थोड़ा सुधार कर सकते हैं

8/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. अनेक राज्य सरकारें बेहतर प्रशासन के लिये भौगोलिक प्रशासनिक इकाइयों जैसे जनपद व तालुकों को विभाजित कर देती हैं। उक्त के आलोक में, क्या यह भी औचित्यपूर्ण कहा जा सकता है कि अधिक संख्या में छोटे राज्य, राज्य स्तर पर प्रभावी शासन देंगे? विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Many State Governments further bifurcate geographical administrative areas like Districts and Talukas for better governance. In light of the above, can it also be justified that more number of smaller States would bring in effective governance at State level? Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

- 73वें, 74वें का उल्लेख
- → छोटे राज्यों के पक्ष/विपक्ष की विवेचना
- → विभिन्न राज्यों की केस स्टडीज का उल्लेख।

भारत में शासन व्यवस्था की त्रि-स्तरीय शासन प्रणाली है। जिसमें शीर्षपद केन्द्र → राज्य → स्थानीय शासन है।

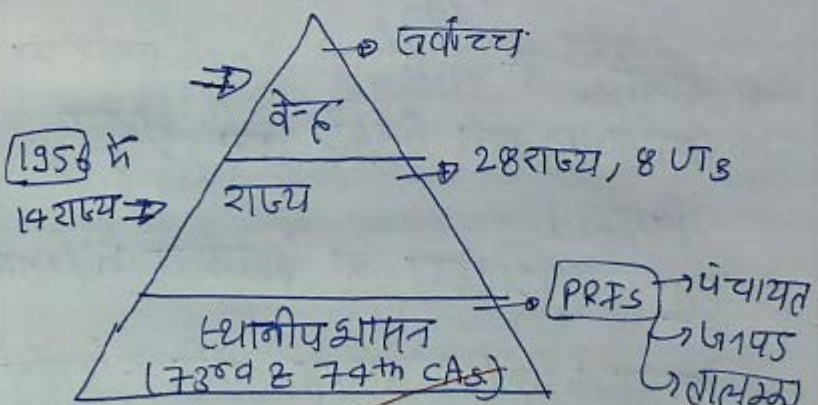

चित्र: भारत की शासन व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- राज्य सरकारों द्वारा प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण तथा सहभागिता, उपयोगिता व भागीदारी को बढ़ाने के लिए विभिन्न भागों में स्थानीय निकायों को विभाजित किया जाता है।
  उदा० UP में पंचायत, तालुका तथा जनपद।

<u>छोटे राज्य प्रभावी शासन होंगे :</u>

- कानून-व्यवस्था को बेहतर ढंग से हल किया जा सकता है।
  उदा० UP की जनसंख्या 20 करोड़ से अधिक।
- नागरिकों की भागीदारी, योजनाओं का क्रियान्वयन तथा संतुलित ~~...~~ क्षेत्रीय विकास।
  उदा० आंध्रप्रदेश का तेलंगाना से विभाजन।
- बेहतर नागरिक केन्द्रित नीति-निर्माण तथा अलगाववाद, उग्रवाद से कमी।
  उदा० 1987 से मिजोरम के गठन के बाद।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

छोटे राज्य प्रभावी शासन नहीं देते हैं।

- यह पृथक राज्य की मांग को बढ़ाता है।
  उदा० UP, राजस्थान तथा महाराष्ट्र में
- गवर्नेंस के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन होना आवश्यक है।
  उदा० झारखंड तथा छत्तीसगढ़ IMR, MMR तथा शिक्षा में निम्नतम राज्य है।
- संघवाद को प्रभावित करता है। तथा राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ, चुनावों का संचालन, वित्त आयोग संबंधी चुनौतियां।
- NE में 8 राज्यों जोकि छोटे-छोटे हैं लेकिन प्रशासनिक मामलों में अत्यंत पिछड़े हैं।

अधिक छोटे राज्यों की तुलना में वर्तमान राज्यों में गवर्नेंस को सुशासन में बदलना, नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना, योजनाओं का क्रियान्वयन व निगरानी द्वारा सहभागी व समावेशी विकास प्राप्त करना।

7.5/15

* छोटे राज्य के लाभ एवं क्षति के अन्य बिंदुओं को भी शामिल कर सकते हैं।

\# जाय थी- [redacted]

• राज्य निर्माण के लिए संवैधानिक पहलुओं की जटिलता को बताए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. मध्याह्न भोजन योजना की संकल्पना भारत में लगभग एक शताब्दी पुरानी है जिसका आरम्भ स्वतंत्रता-पूर्व भारत के मद्रास महाप्रान्त (प्रेसीडेंसी) में किया गया था। पिछले दो दशकों से अधिकांश राज्यों में इस योजना को पुनः प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके दोहरे उद्देश्यों, नवीनतम आदेशों और सफलता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The concept of Mid Day Meal (MDM) scheme is almost a century old in India with early beginnings in Madras Presidency in pre-independent India. The scheme has again been given impetus in most states in the last two decades. Critically examine its twin objectives, latest mandates and success. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

MDM (मिड डे मील) योजना को संपूर्ण भारत के ~~समग्र शिक्षा~~ सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक पोषक युक्त खाद्य पदार्थ प्राप्त करने के लिए लागू किया जा रहा है।

MDM

कक्षा 1 to 5 — 5 to 8

विद्यार्थि: 1

कैलोरी: 400 — कैलोरी: 600

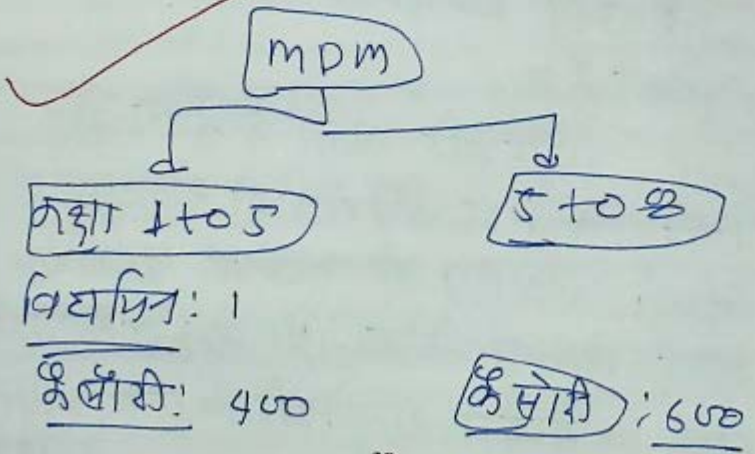

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उद्देश्य
- विद्यार्थियों में कुपोषण के स्तर में कमी तथा पोषक तत्वों को बढ़ावा
- शिक्षा में ड्रॉपआउट दर को कम करना।
- विद्यार्थियों के बीच समानता, सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना। उदा० समूह में एक साथ भोजन।

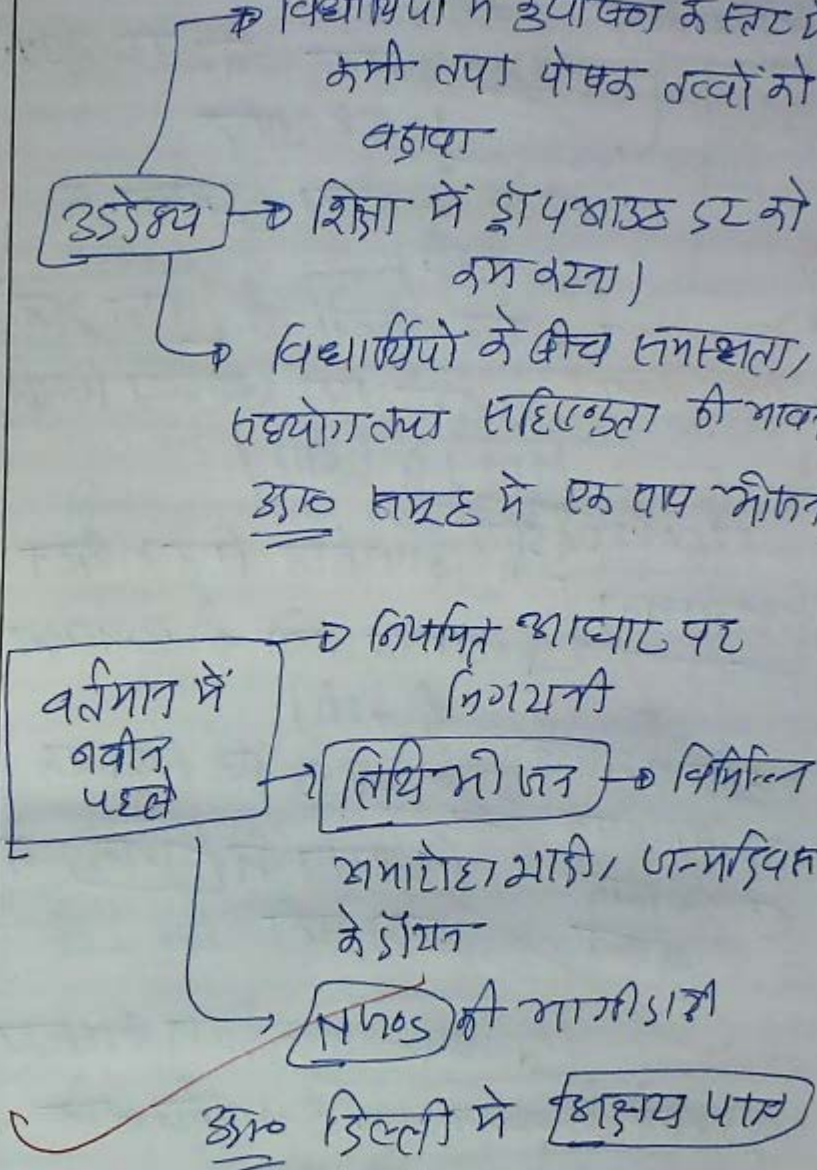

वर्तमान में नवीन पहलें
- निर्धारित आधार पर निगरानी
- तिथि भोजन → विभिन्न समारोहों आदि/ जन्मदिवस के दौरान
- NGOs की भागीदारी

उदा० दिल्ली में अक्षय पात्र फाउंडेशन की भूमिका।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7.5/15

सफलता → बच्चों के ड्रॉपआउट में कमी।
उदा० प्राथमिक स्तर पर 99% GER प्राप्ति
बच्चों के बीच कुपोषण में कमी।
गरीब बच्चों की बाल श्रम में कमी तथा स्वास्थ्य स्थिति, HDI में सुधार।

* MDM का पूर्व इतिहास बताएं।
* तीन पहलों के अंतर्गत 'PM पोषण योजना' का जिक्र करें।

COVID के दौरान
आलोचना → अपर्याप्त वित्त आवंटन
पोषक तत्वों की गुणवत्ता की कमी।
उदा० UP के एक विद्यालय में नमक के साथ रोटी
स्कूलों प्रशासन पर शिक्षकों का अधिक बोझ

COVID-19 के दौरान विद्यालय बंद होने के कारण MDM प्रभावित होने के लिए NEP-2020 के अनुरूप MDM में अधिक पोषक तत्वों को शामिल करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये
(Candidate must not write on this margin)

17. स्वयं सहायता समूहों की वैधता एवं जवाबदेही और उनके संरक्षक, सूक्ष्म-वित्त पोषक इकाइयों का, इस अवधारणा की सतत सफलता के लिये योजनाबद्ध आकलन व संवीक्षण आवश्यक है। विवेचना कीजिये।

(250 शब्द) 15

The legitimacy and accountability of Self Help Groups (SHGs) and their patrons, the micro-finance outfits, need systematic assessment and scrutiny for the sustained success of the concept. Discuss.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

SHGs की व्याख्या
→ MFIs के साथ संबंध, चुनौतियाँ
→ आकलन/संवीक्षण की आवश्यकता क्यों?
→ आगे की राह।

SHGs समान सामाजिक-आर्थिक विचारधारा वाले लोगों का संगठन होता है जिनकी एक समान उद्देश्य तथा एक नियोजित कार्यप्रणाली होती है।
उदा० केरल में कुडुम्बश्री SHGs

fig: SHGs का घटक

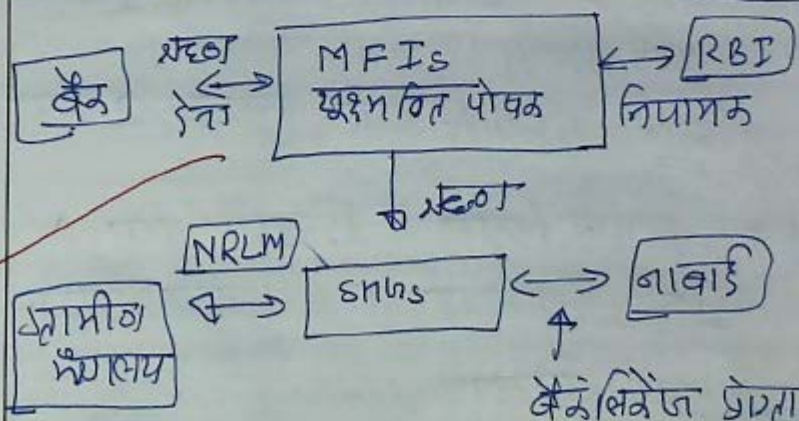

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

SHGs की संवीक्षण तथा आकलन आवश्यकता:

- सूक्ष्म - वित्त संस्थाओं के साथ संबद्धता तथा ऋणों पर अत्यधिक निर्भरता।
  - 97% सूक्ष्म ऋण महिला SHGs को।
- भारत/राज्य सरकारों की योजनाओं की निगरानी, आकलन तथा उनका प्रभाव आकलन।
  - उदा० DAY-NRLM तथा ग्रीन आंचल मशीन।
- महिला सशक्तीकरण तथा विभिन्न वर्गों का सहभागी व विविधतापूर्ण प्रतिनिधित्व।
  - उदा० SEWA तथा झारखण्ड हाथ
- ग्रामीण विकास के उद्देश्यों तथा शिक्षा, स्वास्थ्य व स्थानीय उद्देश्यों के साथ संतुलन।
  - उदा० बिहार में जबका हाट कार्य।

* SHG की संवीक्षण एवं आकलन की आवश्यकता के बिंदुओं को स्पेसिफिक बनाईये (जैसे — अधिकांश SHG रजिस्टर्ड नहीं है, बही-खातों के रखरखाव की समस्या आदि।)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- विभिन्न वर्गों तथा क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व में समानता के लिए।

  उदा० SHGs द्वारा उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत में बेहतर कार्य किया है।

उमीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5/15

आगे की राह

- SHGs की बैंकों के साथ बैकवर्ड तथा बाजार के साथ फारवर्ड लिंकेज बनाना।
- बाजारों तक पहुँच, तकनीकी उपलब्धता तथा कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।

  उदा० आत्मनिर्भर भारत में रिवोल्विंग फंड
- नियामक संस्थाओं (जैसे RBI, नाबार्ड) को अधिक शक्तियाँ तथा स्वायत्तता प्रदान करना।

SHGs के लिए RBI-बैंक लिंकेज प्रोग्राम, महिला किसान सशक्तीकरण योजना, DAY-NRLM तथा NULM बेहतर कदम है। इसके साथ अर्वणित चुनौतियों पर ध्यान देने की आवश्यकता

→ MFI की समस्या को बताए/ तथा इसे प्रभावी बनाने हेतु उनकी भूमिका में परिवर्तन के सुझाव दें। संबंधित कुछ समितियों का भी उदा० दे सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. 'मोतियों के हार' (द स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स) से आप क्या समझते हैं? यह भारत को किस प्रकार प्रभावित करता है? इसका सामना करने के लिये भारत द्वारा उठाए गए कदमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये।

(250 शब्द) 15

What do you understand by the 'String of Pearls'? How does it impact India? Briefly outline the steps taken by India to counter this.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

↳ यह क्या है।
↳ विभिन्न क्षेत्रों — सामरिक, राजनीतिक, अर्थव्यवस्था
→ भारत पर प्रभाव, भारत के विभिन्न कदमों का उल्लेख

चीन द्वारा अपनी बढ़ती महत्वाकांक्षा तथा स्थलीय परिवहन उपलब्धता को बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों में सैन्य पोर्ट की स्थापना स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स से संबंधित है।

भारत पर प्रभाव

↳ राष्ट्रीय सुरक्षा तथा संप्रभुता को खतरा।
उदा० CPEC द्वारा POK में निर्माण।

↳ पड़ोसी देशों के साथ संबंध प्रभावित
उदा० श्रीलंका में हंबनटोटा तथा मालदीव में ग्रेटर माले में निवेश।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

→ हिन्द महासागर में भारत के भू-सामरिक तथा भू-राजनीतिक हित।

उदा० 7500km तटरेखा, 80% व्यापार समुद्र के माध्यम से।

→ सैन्य अवसंरचना में निवेश: → शांति व्यवस्था प्रभावित

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव ← सैन्यीकरण ← के कारण अधिक खर्चा

टिप: स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

*मोतियों के हार' की अवधारणा को थोड़ा और विस्तार दें। मानचित्र उसके साथ ही बनाएँ तत्पश्चात प्रभाव लिखें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत द्वारा उठाये कदम

- हिन्दपोर्ट की स्थापना:
  - ओमान से डुग्म, सेशल्स तथा मॉरिशस के साथ सहयोग।

भारत सरकार के कदमों के अंतर्गत अन्य देशों के साथ सहयोग को बताएं। जैसे - वियतनाम, जापान आदि

- हिन्द प्रशांत (इंडो पैसिफिक) में विभिन्न हितधारकों की भागीदारी तथा पहल।
  उदा० सागर-(SAGAR), हिन्द प्रशांत ओशन पहल की शुरुआत।
- चाबहार (ईरान), मालदीव (ग्रेटर माले), श्रीलंका (ईस्ट कंटेनर पोर्ट) में निवेश।
- हिंद महासागर में व्हाइट शिपिंग निगरानी
  उदा: गुरुग्राम में IOR- IFC की स्थापना।

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता तथा इंडो पैसिफिक अवधारणा में विभिन्न देशों के साथ सहयोग करना, निवेश बढ़ाना आवश्यक है।

7/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. हाल के कुछ वर्षों में भारत व जापान के मध्य आर्थिक संबंधों में विकास हुआ है पर अब भी वह उनकी संभाविता से बहुत कम है। उन नीतिगत दबावों (व्यवरोधों) को स्पष्ट कीजिये जिनके कारण यह विकास अवरुद्ध है। (250 शब्द) 15

Economic ties between India and Japan while growing in the recent years are still far below their potential. Elucidate the policy constraints which are inhibiting this growth. (250 words) 15

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

भारत-जापान संबंध, पृष्ठभूमि
→ विभिन्न आयामों पर चर्चा, चीनी कारक
→ बाधा वाली क्या हैं संबंधों पर चर्चा।

भारत-जापान संबंधों की अवधारणा संवैधानिक मूल्यों, हिंद-प्रशांत, नियम-आधारित व्यवस्था तथा पीपुल टू-पीपुल कनेक्टिविटी पर निर्भर है।

भारत-जापान के आर्थिक संबंध

→ लचीली-आपूर्ति श्रृंखला पहल।
→ वैश्विक मूल्य श्रृंखला को ~~विविध~~ बनाने के लिए, चीन पर निर्भरता को कम करने के लिए।

→ मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता
→ CEPA तथा CECA को लेकर उच्च स्तरीय चर्चा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

↳ भारत-जापान द्वारा टैरिफ/नॉन-टैरिफ बैरियर को कम करना।

आर्थिक संबंधों के अवरोध के कारण

↳ निम्न ट्रेड भागीदारी: चीन की तुलना में जापान के साथ व्यापार केवल 10-12% के आसपास है।

↳ RCEP में भारत का शामिल नहीं होना।

↳ भारतीय उत्पादों का गैर-मानकीकरण, गुणवत्ता संबंधी चुनौती।
उदा० WTO संबंधी TBT तथा SPS प्रतिबंधों का सामना।

↳ देशों के बीच ट्रेड डील का अभाव तथा भारत के पक्ष में व्यापार घाटा।

↳ आर्थिक संबंधों में विविधता का अभाव।
उदा० समुद्री उत्पाद, रत्न-आभूषण तक सीमित।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ भारत द्वारा उच्च टैरिफ-नॉन टैरिफ बैरियर्स को जापान द्वारा WTO में शिकायत।

उदा० स्टील मामला तथा ऑटो उपकरण विवाद।

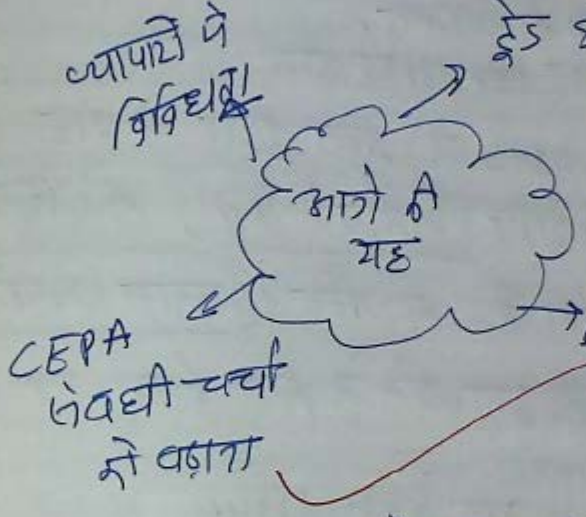

COVID-19 के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत-जापान-USA की संबंधी इंडो-पैसिफिक के साथ व्यापार में बेहतर स्थिति प्रदान कर सकती है।

6/25

* भूमिका में भारत-जापान संबंध का विभिन्न आयामों में एक परिचय दें। आपने केवल सहयोग के आधार बताए हैं।
* भारत-जापान आर्थिक संबंधों के ठोस उदा० दें/जैसे- येन लोन, बुलेट ट्रेन, 2022 में ... आर्थिक भागीदारी पर हस्ताक्षर, DMIC आदि।
* अवरोध (नीतिगत) के अंतर्गत भारत की परमाणु नीति, अनुदार आर्थिक नीति को बताएं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. विश्व बैंक व अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, संयुक्त रूप से ब्रेटन वुड्स नाम से जानी जाने वाली संस्थाएँ, विश्व की आर्थिक व वित्तीय व्यवस्था की संरचना का संभरण करने वाले दो अन्तःसरकारी स्तम्भ हैं। पृष्ठीय रूप में, विश्व बैंक व अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों की अनेक समान विशिष्टताएँ हैं, तथापि उनकी भूमिका, कार्य तथा अधिदेश स्पष्ट रूप से भिन्न हैं। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

The World Bank and the IMF, collectively known as the Bretton Woods Institutions, are the two inter-governmental pillars supporting the structure of the world's economic and financial order. Superficially, the World Bank and the IMF exhibit many common characteristics, yet their role, functions and mandate are distinctly different. Elucidate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हल करने का दृष्टिकोण:

IMF, WB के परिचय,
→ कार्य, प्रभाव की व्याख्या,
→ विभाजित बनाम सम्भावित मुद्दा।

1945 में ब्रेटन वुड्स के बाद IMF का गठन (वित्तीय स्थिरता) को बनाने तथा विश्व बैंक का गठन (विकास संबंधी) लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किया गया।

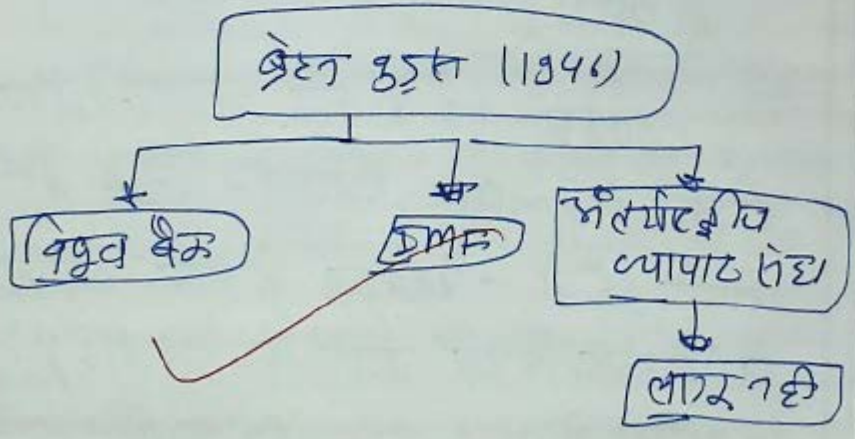

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

IMF & WB (विश्व बैंक) में समानताएँ

- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था को बेहतर करना तथा राष्ट्रों को सहयोग करना।
- विभिन्न रिपोर्ट तथा निष्कर्षों द्वारा देशों के बीच तुलना करना तथा प्रतिस्पर्धा की अनुशंसा करना।

विश्व बैंक → संरचना → ~~IBRD~~

विश्व बैंक समूह पांच संस्थाएं शामिल
- MIGA
- विवाद निपटान
- IFC
- IDA
- IDFC

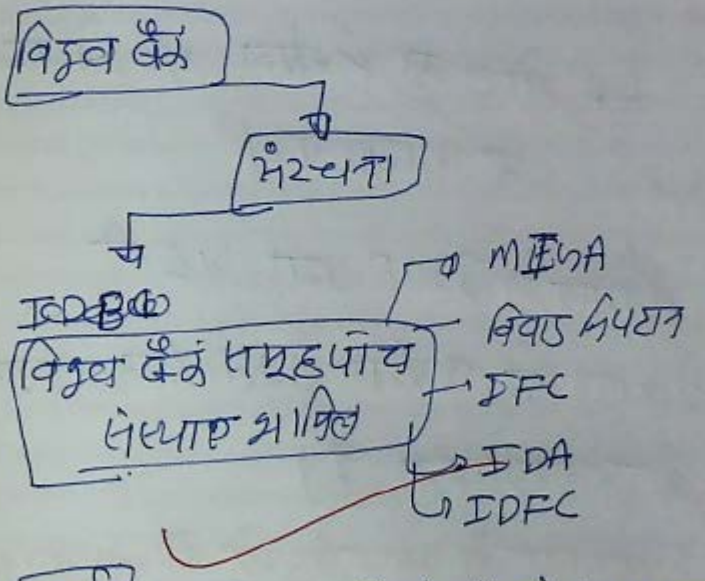

कार्य → विकासशील देशों को सहायता
- ऋण देना (अनुदान)
- राष्ट्रों की GDP की तुलना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

IMF → • कोष आधारित संस्था
• SDR का उपयोग।
→ वित्तीय स्थिरता को सुनिश्चित करती है।
→ मूल्य / भुगतान संकट की स्थिति में राष्ट्रों की सहायता।
उदा० 1991 के बाद LPG।

→ वोट का निर्धारण % शेयर के आधार पर।

वर्तमान में IMF तथा WB की संस्था को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की आवश्यकता है।

6.5/25

* असमानता के अन्य बिंदुओं को शामिल कर सकते हैं।
* अंत के बिंदुओं का प्रस्तुतीकरण सारे हुए हैं। अर्थात् एकमात्र WB एवं IMF के अंतर बताइए इससे उत्तर को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation